नमामि गंगे परियोजना से अर्धकुंभ-2027 को मिलेगी भव्यता

- ग्रीन घाटों से लेकर म्यूजियम के प्रस्ताव पर हुआ मंथन
- टीम ने घाटों का निरीक्षण और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अधिकारियों के साथ सीसीआर में बैठक करतीं मेला अधिकारी सोनिका • जागरण

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: गंगा की स्वच्छता और अर्धकुंभ-2027 की भव्य तैयारियों को ठोस आधार देने का कार्य शुरू हो गया है। अर्धकुंभ मेले से जुड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों को नमामि गंगे परियोजना में शामिल कराने को लेकर शुक्रवार को सीसीआर में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की बैठक हुई। जिसमें प्रस्तावित कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही नमामि गंगे की टीम ने घाटों का निरीक्षण और व्यवस्थाओं का जायजा भी किया।

बैठक में मेले की व्यवस्थाओं को पर्यावरण-संवेदनशील और स्थायी बनाने के लिए तैयार किए गए प्रस्तावों का पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया। इसमें घाटों का निर्माण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के प्रस्ताव के साथ म्यूजियम के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इन प्रस्तावों को मेला प्रशासन ने नमामि गंगे परियोजना को भेज दिए हैं। मेलाधिकारी सोनिका ने बताया कि अर्धकुंभ मेले के दृष्टिगत तीन नए घाटों के निर्माण के साथ-साथ ग्रीन घाट विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। नगर निगम की ओर से सालिड वेस्ट मैनेजमेंट और पेयजल निगम की ओर से एसटीपी प्लांट से संबंधित प्रस्ताव की भी गहन समीक्षा की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (अर्बन) के निदेशक धीरज जोशी ने कहा कि अर्धकुंभ मेले की व्यवस्थाओं से जुड़े सभी प्रस्तावों को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस मौके पर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के परियोजना निदेशक विशाल मिश्रा, डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध, मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार, एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह, एडिशनल एसपी विपिन कुमार, एनआइयूए राहुल सचदेवा, संचार विशेषज्ञ पूरन कापड़ी, डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट मैनेजर सत्यदेव आर्य मौजूद रहे।